VIDHAN SABHA VISIT REPORT

On dated 28-8-2024 as a part of extension activity a group of 28 students of Political Science visited and attended the Himachal Pradesh State Legislative Assembly so as to know the practical aspect of legislative procedure. Hon'ble speaker of the Vidhan Sabha Sh. Kuldeep Singh Pathania interacted with the students and encouraged them to be a part of the vibrant democracy. The Hon'ble speaker threw light on the history of Vidhan Sabha from the Council chamber during the British period. At 10.30 students entered the House to witness the proceedings. The session began with the Question Hour discussing the Monsoon disaster in the state of Himachal Pradesh and unsustainable development activities. Heated debate and discussion dominated the question hour. In the Zero Hour answers were sought on the questions raised by the members of the opposition.

1 INTERACTION WITH SPEAKER SH. KULDEEP SINGH PATHANIA

2 VIDHAN SABHA VISIT

Department of Political Science
GDC Dhami at 16 Miles
Shimla

Himachal Pradesh Legislative Assembly

हिमाचल प्रदेश विधान सभा
चौदहवीं विधान सभा

मॉनसून सत्र के 9वें दिन सदन की कार्यवाही देखने विधान सभा पहुँचे राजकीय महाविद्यालय धामी, लोरेटो कनवेन्ट स्कूल तारा हॉ[illegible] तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय विधि विभाग के छात्र - छात्राओं [illegible]रू होते हुए विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा [illegible]रत की संसदीय प्रणाली संघीय ढाँचे पर आधारित है। जहाँ केन्द्र में [illegible]भा तथा लोकसभा दो ऊपरी और निचले सदन हैं वहीं राज्यों में विध[illegible]डल तथा विधान सभाओं की व्यवस्था है लेकिन विधान मण्डल की [illegible]था केवल कुछ बड़े राज्यों में है। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष [illegible]त्र - छात्राओं से कुछ प्रश्न भी पूछे जिसका उन्होने संतोषजनक जवा[illegible]का प्रयास किया। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि आज के युवा लो[illegible]क प्रणाली को समझने तथा इसे मजबूती प्रदान करने में विश्वास रखते हैं जो कि विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र के लिए आवश्यक भी है। पठानियां ने कहा कि उन्हे वह दिन स्मरण हो रहा है जब यहाँ सदन के अन्दर बाल सत्र का आयोजन किया गया था और जिस तरह से बच्चों ने विभिन्न किरदार में अपने विचारों की अभिव्यक्ति की वह अदभुत एवं अभूतपूर्व थी तथा उन्हें उसी दिन विश्वास हो गया था कि भारत का लोकतन्त्र सुरक्षित है तथा सही हाथों में जा रहा है। पठानियां ने कहा कि लोकतान्त्रिक प्रणाली का ज्ञान हर इन्सान को हो उसके लिए वह शीघ्र ही किसान संसद तथा महिला संसद आयोजित करने की योजना बना रहे हैं ताकि वे इस प्रणाली से और भी अच्छी तरह परिचित हों।

इस अवसर पर पठानियां ने आज सदन के अन्दर होने वाली कार्यवाही के बारे भी छात्र - छात्राओं को अवगत करवाया तथा सदन की कार्यवाही देखकर एक अच्छा अनुभव साथ ले जाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।